ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 26 जुलाई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 110

अब फ्री नहीं रहेगा UPI पेमेंट

RBI गवर्नर ने इशारों-इशारों में दिया बड़ा संकेत

24 न्यूज अपडेट

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पेमेंट को लेकर इशारों-इशारों में बड़ा संकेत दिया है. उन्होंने शुक्रवार को कहा कि यूपीआई इंटरफेस को भविष्य में वित्तीय रूप से और मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा. इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह डिजिटली पेमेंट हमेशा मुफ्त भी नहीं रहेगा. इसके लिए चार्ज देना होगा.

मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने यह बातें कहीं. उन्होंने कहा कि अभी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) सिस्टम बिना कोई शुल्क वसूले काम कर रहा है, लेकिन यह ज्यादा दिनों तक नहीं रहेगा. संजय मल्होत्रा ने कहा कि हालांकि सरकार इसके लिए बैंकों और अन्य हिस्सेदारों को कुछ सब्सिडी देती है. सरकार ऐसा इसलिए करती है ताकि यूपीआई सिस्टम बिना किसी रुकावट के रियल टाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के चला सके.

आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि आज के दौर में डिजिटली पेमेंट को सुरक्षित बनाना भी जरूरी है और इसके लिए हमारा देश हमेशा से प्रतिबद्ध रहा है और आगे भी रहेगा. उन्होंने चेताते हुए कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के टिकाऊपन को इग्नोर नहीं किया जा सकता. ऐसे में किसी ना किसी को तो पैसे चुकाने होंगे.

लोग धड़ल्ले से कर रहे यूपीआई पेमेंट

उन्होंने कहा कि आज के दौर में हर कोई यूपीआई पेमेंट धड़ल्ले से कर रहा है. वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय मल्होत्रा ने इससे जुड़े हुए खर्चों का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि यह बहुत तेजी से बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि सिर्फ दो साल के अंदर ही यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) का आंकड़ा दोगुना होकर 31 करोड़ से 60 करोड़ तक पहुंच गया है. इसी तेजी ने इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का दबाव बनाया है. भारत सरकार इस यूपीआई लेनदेन के लिए यूजर्स से कोई शुल्क नहीं वसूलती. इसके साथ-साथ उसे राजस्व की भी प्राप्ति नहीं होती. ऐसा इसलिए क्योंकि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) जीरो है. इसको लेकर इस इंडस्ट्री के लोगों का मानना है कि यही हाल रहा तो ऐसा ज्यादा दिन नहीं चलेगा. आरबीआई गवर्नर ने कहीं बड़ी बातें

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि आने वाले दिनों में इंटरेस्ट रेट में कटौती पर विचार किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति आने वाले समय के हिसाब को ध्यान में रखकप तय की जाती है. इसमें महंगाई के मौजूदा आंकड़े काफी अहम होते है. उन्होंने कहा कि अभी महंगाई दर 2.1 फीसदी है.

PNB खाताधारक 8 अगस्त तक KYC करा लें:नहीं कराने पर खाते से लेन-देन करने में आ सकती है परेशानी

24 न्यूज अपडेट

अगर आपका अकाउंट पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में है तो जल्द KYC करा लें। ऐसा नहीं कराने पर आपको खाते से ट्रांजैक्शन (लेन-देन) करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बैंक ने अकाउंट होल्डर्स को 8 अगस्त तक अपना KYC कराने को कहा है। पंजाब नेशनल बैंक के अनुसार ऐसे अकाउंट होल्डर्स जिन्होंने 30 जून तक अपनी KYC अपडेट नहीं कराई है, उन्हें KYC अपडेट कराना है। बैंक ऐसे कस्टमर्स के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर SMS के जरिए सूचना दे रहा है। इसे अलावा बैंक ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट X पर भी इसकी जानकारी दी है।

ऐसे करें चेक- KYC हुई है या नहीं?

आपके अकाउंट की KYC हुई है या नहीं, इसकी जानकारी के लिए आपको कस्टमर केयर पर कॉल करना होगा। ग्राहक कस्टमर केयर नंबर 1800 1800 या 1800 2021 पर कॉल करके अधिक जानकारी ले सकते हैं। ये दोनों ही नंबर टोल फ्री हैं।

आसान है KYC अपडेट कराना

आप बैंक के ब्रांच में जाकर अपना KYC अपडेट करा सकते हैं। बैंक में आपको KYC के फॉर्म मिलेंगे, उसे भरकर और साथ में जरूरी डॉक्यूमेंट को अटैच कर जमा कर दीजिए। फॉर्म जमा करने के बाद आपका KYC अपडेट हो जाता है।

घर बैठे करें KYC अपडेट

आप PNB-वन के जरिए भी KYC अपडेट करा सकते हैं। बैंक ने कहा है KYC के लिए ग्राहक जरूरी पहचान पत्र के रूप में एड्रेस प्रूफ, लेटेस्ट फोटो, पैन कार्ड, इनकम सर्टिफिकेट, मोबाइल नंबर, आदि जरूरत होगी।

क्या है KYC?

KYC का मतलब होता है "नो योर कस्टमर" यानी अपने ग्राहक को जानिये। KYC भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संचालित एक पहचान प्रक्रिया है जिसकी मदद से बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं अपने ग्राहक के बारे में अच्छे से जान पाती हैं। बैंक और वित्तीय कंपनियां इसके लिए फॉर्म को भरवा कर इसके साथ कुछ पहचान के प्रमाण भी लेती हैं।

RTO इंस्पेक्टर के पास मिले 15 घर-प्लॉट और दुकान:7 बैंक में करोड़ों का लेनदेन मिला, ACB ने 6 ठिकानों पर मारी रेड

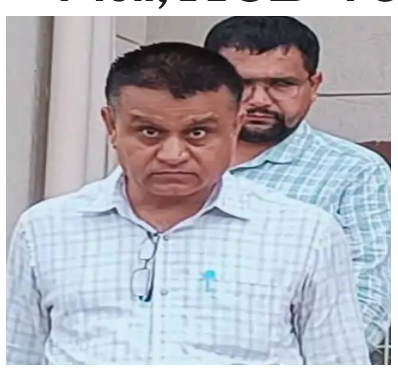

24 न्यूज अपडेट

एंटी करप्शन ब्यूरो(ACB) की छापेमारी में सिरोही परिवहन निरीक्षक(RTO इंस्पेक्टर) सुजानाराम चौधरी करोड़ों का आसामी निकला है। सिरोही, माउंट आबू, जालोर, जोधपुर और भीनमाल में हुई रेड में चौधरी के पास आय से 2 गुना संपत्ति मिली है। वहीं, 15 से ज्यादा प्रॉपर्टी (आवासीय/व्यवसायिक मकान/दुकान/भूखण्ड) मिली हैं।

इसके साथ ही 7 बैंकों में करोड़ों रुपए का लेन-देन भी मिला है। उसके खाते में 12 लाख रुपए बैलेंस भी है। एसीबी की एक दर्जन से अधिक टीमें आरटीओ के आरोपी इंस्पेक्टर के ठिकानों पर सर्च में जुटी है। खास बात यह है कि सुजानाराम चौधरी के कारनामों का कुछ दिनों पहले दैनिक भास्कर ऐप ने पूरे सबूतों के साथ खुलासा किया था।

2.50 करोड़ की संपत्तियों का पता चला

एसीबी सूत्रों के मुताबिक, सिरोही के परिवहन निरीक्षक (आरटीओ इंस्पेक्टर) सुजानाराम चौधरी पुत्र रेखाराम चौधरी पर कार्रवाई की जा रही है। एसीबी मुख्यालय को शिकायत मिली थी कि परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी ने राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक 201 प्रतिशत ज्यादा संपत्ति बना ली है। एसीबी की ओर से गोपनीय सत्यापन में इसकी पुष्टि हुई।

दोस्त वॉट्सएप ग्रुप पर बोला- मराठी में बात करो:साथियों ने अगले दिन हॉकी स्टिक से पीटा; MNS कार्यकर्ता भड़के

24 न्यूज अपडेट

नवी मुंबई में एक छात्र के मराठी में बात करने के लिए कहने पर साथियों ने उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने बताया कि सभी एक कॉलेज वॉट्सएप ग्रुप का हिस्सा थे। उनमें से कुछ 21 जुलाई को हिंदी में मैसेज लिख रहे थे। तभी एक छात्र ने मराठी में लिखा, 'मराठी में बात करो नहीं तो राज ठाकरे आ जाएंगे।'

इसके बाद वॉट्सएप ग्रुप में बहस होने लगी। अगले दिन सुबह करीब 10:30 बजे फैजान नाइक समेत चार छात्रों ने वाशी में कॉलेज के बाहर उस छात्र पर हमला कर दिया, जिसने मराठी में बोलने के लिए कहा था। नाइक ने छात्र के सिर पर हॉकी स्टिक से भी वार किया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद MNS ने हमलावर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। MNS प्रवक्ता गजानन काले ने कहा कि हम पीड़ित छात्र और उसके परिवार से मिले हैं। दोषियों को सजा मिलने तक हम चुप नहीं बैठेंगे। यह घटना चेतावनी है कि महाराष्ट्र में बढ़ता भाषाई विभाजन खतरनाक है।

रिलायंस की वैल्यू इस हफ्ते 1.15 लाख करोड़ घटी:टॉप-10 कंपनियों में 6 का मार्केट कैप 2.22 लाख करोड़ गिरा

दो दिन में 1,264 अंक गिरा शेयर बाजार

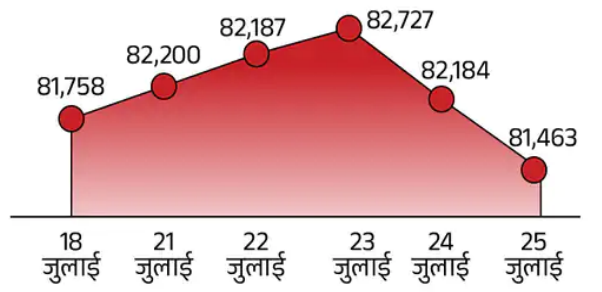

24 न्यूज अपडेट

इस हफ्ते के कारोबार में देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू 1,14,688 करोड़ रुपए (1.15 लाख करोड़) कम हो गई है। अब कंपनी की वैल्यू 18.84 लाख करोड़ रुपए रह गई है। पिछले हफ्ते यह 19.99 लाख करोड़ थी।

मार्केट कैप के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 की कंबाइंड वैल्यूएशन 2.22 लाख करोड़ रुपए कम हो गई है। इसमें रिलायंस के अलावा, इंफोसिस की वैल्यू 29,475 करोड़, LIC की वैल्यू 23,086 करोड़ और TCS की 20,080 करोड़ गिरी है।

बैंकिंग शेयरों में खरीदारी रही

इस हफ्ते बैंकिंग शेयरों में ज्यादा ग्रोथ रहा। जिसके चलते देश के टॉप-3 बैंकों की वैल्यू 82,661 करोड़ रुपए बढ़ी है। इस दौरान टेलीकॉम कंपनी एयरटेल के शेयरों की भी खरीदारी रही। इस दौरान एयरटेल की वैल्यू 20,841 करोड़ रुपए बढ़कर 11.05 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

नवी मुंबई में गूगल मैप ने गलत रास्ता बताया:ऑडी कार खाड़ी में गिरी; कार चला रही महिला को सुरक्षा कर्मियों ने बचाया

24 न्यूज अपडेट

नवी मुंबई के बेलापुर में गूगल मैप के गलत रास्ता बताने के कारण एक ऑडी कार खाड़ी में गिर गई। घटना शुक्रवार-शनिवार रात करीब 1 बजे हुई। कार चला रही महिला उल्वे की ओर जा रही थी।

बेलापुर में गूगल मैप ने महिला को पुल के नीचे का रास्ता बताया। महिला ने मैप देखते हुए पुल के ऊपर जाने की बजाय नीचे का रास्ता पकड़ लिया। नतीजतन, उसकी कार सीधे ध्रुवतारा जेट्टी से खाड़ी में गिर गई।

समुद्री सुरक्षा पुलिस ने कार को खाड़ी में गिरते हुए देख लिया। वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि महिला पानी में बह रही थी। इसके बाद रेस्क्यू बोट और गश्ती टीम की मदद से महिला को बचाया गया।

गूगल मैप के कारण पहले भी कई हादसे हुए-

1. 9 जून, 2025: यूपी के महाराजगंज में फ्लाईओवर से लटक गई कार

उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में गूगल मैप के बताए रास्ते पर आगे बढ़ने के कारण एक कार अधूरे फ्लाईओवर से नीचे लटक गई थी। इस हादसे में कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। हादसा महाराजगंज जिले के गोरखपुर-सोनौली नेशनल हाईवे स्थित भैया फरेंदा में निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर हुआ। फ्लाईओवर का काम अधूरा था, लेकिन गूगल मैप में पूरा रास्ता दिख रहा था।

2. 4 मार्च, 2025: ग्रेटर नोएडा में 30 फीट गहरे नाले में कार गिरी, स्टेशन मास्टर की मौत

यूपी के ग्रेटर नोएडा में गूगल मैप के गलत नेविगेशन डायरेक्शन के कारण एक 31 साल के स्टेशन मास्टर भरत सिंह कार सहित 30 फीट गहरे नाले में गिर गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। अधिकारियों को कार को नाले से निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा था। घटना के वक्त एक डिलीवरी बॉय घटनास्थल पर मौजूद था, जिसने पुलिस को जानकारी दी थी।

3. 25 नवंबर 2024: गूगल मैप अधूरे पुल पर ले गया, कार नीचे गिरने से 3 की मौत

यूपी के बरेली में गूगल मैप की वजह से एक कार आधे-अधूरे पुल से नीचे गिर गई थी। हादसे में कार में सवार 2 भाइयों समेत 3 युवकों की मौत हो गई थी। तीनों गूगल मैप के सहारे कार से बरेली आ रहे थे। लोकेशन के हिसाब से चल रहे युवक पुल पर पहुंच गए। कोहरे के कारण आगे दिखाई नहीं दिया और कार रामगंगा नदी में गिर गई।

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर से PAK को सीधा संदेश:आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा

24 न्यूज अपडेट

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान को सीधा संदेश था कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया ही, साथ ही करारा जवाब भी दिया।

जनरल द्विवेदी ने ये बातें लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है। कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ। इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

अपनी क्षेत्र से सम्बन्धित समाचार हमारी मेल आई पर भेजें

desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : दुराग्रह का दायरा

यह विचित्र विडंबना है कि जिस दौर में विश्व भर में किसी समाज के विकास को आधुनिकता के आईने में देखने की अपेक्षा की जाती है, उसमें कई बार कुछ घटनाएं इस कसौटी पर बहुस्तरीय नाकामी को रेखांकित करती हैं। ऐसी सामाजिक प्रवृत्तियों का सिरा ढूंढ़ना मुश्किल हो जाता है, जिसमें एक ओर कोई समाज सभ्यता के मानदंडों पर अन्य के मुकाबले अपने श्रेष्ठ होने का दंभ भरे, लेकिन वहीं कुछ लोगों का व्यवहार ऐसा भी हो जो उनके दुराग्रही और कुंठाओ से भरे होने का सूचक हो। गौरतलब है कि आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक हिंदू मंदिर और दो एशियाई रेस्तरां की दीवारों को नस्लवादी भित्तिचित्रों से विकृत कर दिया गया और नस्ली नफरत फैलाने वाली बातें लिखी गई। खबर के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने इस घटना की पुष्टि जरूर की और कहा कि हमारे समाज में घृणा आधारित और नस्लवादी व्यवहार के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। यानी जिन लोगों ने नस्ली नफरत फैलाने की कोशिश की, उन्हें स्थानीय स्तर पर कोई व्यापक समर्थन नहीं है। इसके बावजूद अक्सर ऐसी घटनाएं होते रहने की खबरें बताती हैं कि वहां ऐसे तत्त्व भी हैं, जो आस्ट्रेलिया की सामाजिक विकास नीतियों में मौजूद कर्मियों के सूचक हैं। भारतीय और एशियाई पहचान के लोगों को लक्ष्य बना कर मेलबर्न में इस तरह नस्लीय दुराग्रहों का प्रदर्शन कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से आस्ट्रेलिया में ही इसी प्रकृति की कई घटनाएं सामने आई। इसके अलावा, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड और अन्य कुछ देशों में भी भारतीय पहचान के लोगों पर नस्ली हमले हुए, घृणा से टिप्पणियां की गईं और प्रत्यक्ष रूप से अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसे अनेक वाकये हैं, जिनमें किसी व्यक्ति ने बिना किसी कारण के सिर्फ भारतीय पहचान के आधार पर जानलेवा हमला किया। सवाल है कि ऐसी आक्रामकता का स्रोत क्या है? आखिर क्या वजह है कि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों में भारतीयों के प्रति इस तरह के हमलों में इजाफा हुआ है ? जिस दौर में भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम मुद्दों के मामले में अपना मजबूत दखल देता दिख रहा है, उसमें भारतीय लोगों और उनकी आस्था को चोट पहुंचाने की घटनाओं पर बात सिर्फ चिंता जाहिर करने तक क्यों सिमट कर रह जाती है ? क्या इसे कूटनीतिक मोर्चे पर एक नाकामी के तौर पर देखा जाएगा कि संबंधित देशों की सरकारें अपने यहां भारतीयों के प्रति नस्लवादी नफरत फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करतीं और इसीलिए ऐसी घटनाएं होती रहती हैं ? यह समझना मुश्किल है कि जिन देशों को वैश्विक स्तर पर विकसित देशों की श्रेणी में माना जाता है, वहां इस तरह की स्थिति क्यों बनी हुई है, जिसमें कुछ लोग नस्लवादी पूर्वाग्रहों से भरे हुए हैं और किसी अन्य पहचान वाले लोगों या समुदायों को कमतर मान कर उनके साथ अमानवीय तरीके से पेश आते हैं। सवाल है कि प्रतिगामी धारणाओं या मनोग्रंथियों से भरा हुआ कोई व्यक्ति या समाज सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी पर खुद को किसी से श्रेष्ठ कैसे मान सकता है। दरअसल, नस्लवादी दुराग्रहों से भरे हुए कुछ लोग इस पहलू पर विचार करने की भी कोशिश नहीं करते और उनकी हरकतों से उपजे सवालों का जवाब दूसरे लोगों को देना पड़ता है। नस्लीय कुंठाओं में डूबे रहने के नतीजे में किसी व्यक्ति या समूह के भीतर जिस तरह की आक्रामकता और हिंसा का विस्तार होता है, उसका खमियाजा एक साथ कई पक्षों को भुगतना पड़ता है।

अपराध का दुश्चक्र

देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली को कानून-व्यवस्था के लिहाज से अपेक्षया ज्यादा चौकस और सुरक्षित माना जाता है। मगर हकीकत यह है कि यहां आपराधिक तत्त्वों को अपनी मनमानी करने में शायद ही कोई बड़ी बाधा पेश आती है। यह बेवजह नहीं है कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है कि अपराधी गिरोहों से कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए और समाज को इनसे मुक्ति मिलनी चाहिए। अगर आम लोगों का कानून और न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ रहा है, तो इसे गंभीरता से लेना होगा। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी भी गौरतलब है कि दिनदहाड़े हत्या करके भी कोई सबूतों के अभाव में बेखौफ छूट जाता है। आखिर गवाहों को सुरक्षा देने के लिए क्या किया जा रहा है ? अपराध का दायरा कितना बड़ा हो गया है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी से सटे इलाकों में चल रहे गिरोह एक से दूसरी जगह जाकर वारदात को अंजाम देते हैं। यह स्थिति तब है जब दिल्ली में दो सरकारें हैं। सुरक्षा व्यवस्था केंद्र के हाथों में है। फिर भी कानून का राज अगर कमजोर है, तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए चिंता की बात है कि कुछ गिरोहबाज सलाखों के पीछे जाने के बाद भी अपनी गतिविधियां संचालित करते रहते हैं। ऐसे कई अपराधी कभी गिरफ्तार होते भी हैं तो उनके खिलाफ कई मामले लंबित होने पर भी आरोप तय करने में ही लंबा वक्त लग जाता है। जाहिर है, यह जांच अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपराधों पर काबू पाने के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने गवाहों की सुरक्षा के साथ-साथ त्वरित सुनवाई अदालतें बनाने की जरूरत भी बताई है। विडंबना यह है कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे से लेकर शीघ्र न्याय सुनिश्चित कराने के मसले पर सरकारों को बहुत ज्यादा गंभीर होकर पहल करने की जरूरत महसूस नहीं होती । गिरोहबाजों से दिल्ली को छुटकारा दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है, लेकिन इसके लिए औपचारिक आश्वासनों से आगे बढ़ कर ठोस इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

पिता बोले-मेरी बेटी को न्याय दिलाओ, लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही युवती ने की आत्महत्या, गमगीन माहोल में ले गए शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के घंटाघर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां खेरवाड़ा निवासी 20 वर्षीय युवती अर्चना मीणा ने सरदारगढ़ हवेली क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अर्चना पिछले कुछ समय से एक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। घटना की सूचना मिलते ही घंटाघर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर एमबी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। आज उसका पोस्टमार्टम किया गया व गमगीन माहौल में परिवारजन शव लेकर रवाना हुए। परिजनों ने कहा कि उन्हें न्याय चाहिए। पुलिस का कहना है कि अर्चना की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं और उसके लिव-इन पार्टनर से भी पूछताछ की जा रही है। इस मामले की छानबीन हाथीपोल थाना पुलिस कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल डेटा विश्लेषण के बाद ही मौत के कारणों की वास्तविक जानकारी सामने आ पाएगी।

मावली एवं खेमली ब्लॉक की दो दिवसीय प्राचार्य वाक्पीठ सम्पन्नः शिक्षा, संस्कृति व संरचनात्मक सुधारों पर हुआ गहन मंथन

24 न्यूज अपडेट

भटेवर, 26 जुलाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों की शैक्षिक सत्रारंभ वाक्पीठ का दो दिवसीय आयोजन शुक्रवार एवं शनिवार को डबोक स्थित गीतांजलि टेक्निकल इंस्टीट्यूट में आयोजित हुआ, जिसमें मावली और खेमली ब्लॉक के लगभग सभी विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। यह मंच विचार-विमर्श, नीति क्रियान्वयन और शैक्षिक उत्कृष्टता की दिशा में सामूहिक चिंतन का केंद्र बना।

संस्कृति, संवाद व सेवा पर सार्थक वार्ताएं प्रातः सत्र में गायत्री शक्तिपीठ के संभाग संयोजक अर्जुन सनाढ्य ने 'संस्कारित शिक्षा' विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि "शिक्षक न केवल ज्ञानदाता, बल्कि संस्कार निर्माता भी है। हमें बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना होगा ताकि वे चरित्रवान नागरिक बन सकें।" उन्होंने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में जिले की राष्ट्रीय स्तर पर चौथी रैंक को गर्व का विषय बताते हुए शिक्षकों से इसमें अधिकाधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित कराने का आह्वान किया। डॉ. यशवंत आमेटा ने अहिंसात्मक संप्रेषण एवं सुगमकर्ता शिक्षक विषय पर विचार साझा करते हुए कहा कि संवाद की कला से ही शांति और सकारात्मकता पनपती है। राजस्थान स्काउट एंड गाइड के संभागीय कमिश्नर गोपाल मेहता मेनारिया ने विद्यार्थियों में सेवा भाव विकसित करने के लिए स्काउटिंग गतिविधियों की महत्ता बताई। संरचनात्मक समस्याओं पर चिंता, समाधान की पहल वाक्पीठ के समापन सत्र में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार सुथार ने सभी प्राचार्यों से जर्जर भवनों की सूची फोटो व प्रस्ताव सहित कार्यालय तक सोमवार तक भिजवाने के निर्देश दिए ताकि आवश्यक मरम्मत व निर्माण के लिए विभागीय कार्यवाही प्रारंभ हो सके। संस्था प्रमुखों ने आग्रह किया कि भवनों का निरीक्षण योग्य अभियंताओं द्वारा कराया जाए ताकि यथार्थ रिपोर्ट तैयार की जा सके। कार्यक्रम में वक्ताओं ने हाल ही में स्कूल भवन गिरने से हुई दुखद घटनाओं का उल्लेख करते हुए शोक व्यक्त किया। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शादी के नाम पर 4 लाख की ठगीः लुटेरी दुल्हन के दो साथी महाराष्ट्र से गिरफ्तार, एक पहले ही पकड़ा जा चुका; मुख्य आरोपी महिला अब भी फरार

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 26 जुलाई 2025। शादी करवाने के नाम पर चार लाख रुपये की ठगी कर फरार हुई लुटेरी दुल्हन गिरोह के दो सदस्यों को डूंगरपुर जिले की धंबोला थाना पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी महिला – जो शादी कर युवक को छोड़कर फरार हो गई – अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

क्या है मामला?

धंबोला थानाधिकारी रिजवान खान ने बताया कि यह मामला 10 सितंबर 2024 को दर्ज हुआ था। सीमलवाड़ा निवासी ज्योत्सना सोनी ने रिपोर्ट में बताया कि उसके भतीजे दीक्षित सोनी की शादी कराने के नाम पर संजय प्रजापत, उसके साढू आनंद जाधव, महिला काजल राठौड़ और आकाश सुरसे ने एक सुनियोजित साजिश रची। इन लोगों ने मनीषा उर्फ गौरी नामक युवती से दीक्षित की शादी करवाई और इसके एवज में चार लाख रुपये नकद ले लिए। कुछ दिन बाद मनीषा, दीक्षित को गुजरात के गांधीनगर फिल्म दिखाने के बहाने ले गई और वहां से मौका देखकर फरार हो गई।

जांच और गिरफ्तारियाँ

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तफ्तीश शुरू की। प्रारंभिक जांच में मुख्य साजिशकर्ता संजय प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं उसके अन्य दो साथी आनंदराव जाधव और आकाश सुरसे लगातार फरार चल रहे थे। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने महाराष्ट्र में दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके ठिकानों का पता लगाया जा सके। मुख्य आरोपी मनीषा उर्फ गौरी की तलाश अब भी जारी है। पुलिस को आशंका है कि यह कोई संगठित गिरोह हो सकता है, जो विभिन्न राज्यों में युवकों को शादी के जाल में फंसाकर ठगी करता है।

लुटेरी दुल्हनों का नेटवर्क?

पुलिस इस मामले को अंतरराज्यीय लुटेरी दुल्हन गिरोह से जोड़कर भी देख रही है, क्योंकि ऐसी घटनाएं पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में सामने आती रही हैं, जहां शादी का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठी जाती है और फिर महिला फरार हो जाती है।

उदयपुर में 29 जुलाई को आयड़ गंगु से उबेश्वर तक कांवड़ यात्राः शक्तिनगर व्यापार मंडल करेगा भव्य स्वागत, स्वच्छता पर रहेगा विशेष ध्यान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 जुलाई 2025। शक्तिनगर व्यापार मंडल द्वारा आगामी 29 जुलाई को आयोजित आयड गंगु से उबेश्वर तक की कावड़ यात्रा का शक्तिनगर स्थित लिबर्टी पेन्ट्स के बाहर फूलों की वर्षा, जल व सेगारी प्रसाद द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। और कावड़ यात्रियों को जल व फल वितरित किए जाएंगे इसके लिए शक्तिनगर स्थित व्यापार मंडल के कार्यालय में यात्रा की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारियाँ निर्धारित कीं। व्यापार मंडल के महासचिव जितेंद्र कालरा ने बताया कि यह कावड़ यात्रा पिछले ,20 वर्षों से आयोजित की जा रही है और हर बार स्वागत इससे और अधिक भव्य बनाने का प्रयास रहता है। इस बार का आयोजन विशेष रूप से स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसके लिए प्रसाद स्थानों पर डस्टबिन लगाए जाएंगे। व्यापार मंडल के सदस्य कैलाश राठौड़ ने जानकारी दी कि इस वर्ष प्रसाद वितरण और जलपान की विशेष व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालु यात्रा का आनंद पूरी श्रद्धा और आराम के साथ ले सकें। बैठक में सुनील कालरा, अंबालाल मोची, नरेंद्र मुंडानिया, अभि राठौड़, ईश्वर कमल साहू, यश पालीवाल, कमलेश सेन, गोवर्धन राठौर, राकेश मोची, पुष्पेंद्र शर्मा और ओम खटीक सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने विचार और सुझाव साझा किए। शक्ति नगर व्यापार मंडल सभी श्रद्धालुओं से अपील करता है कि वे इस पवित्र कावड़ यात्रा में शामिल होकर अपने धार्मिक भावनाओं को प्रकट करें और इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दें।

वाइफ को दुखी करके लाइफ सुखी नहीं हो सकती, पत्नी को कार की नहीं, तुम्हारे प्यार की जरूरत है : राष्ट्रसंत पुलक सागर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 26 जुलाई। सर्वऋतु विलास स्थित महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में राष्ट्रसंत आचार्यश्री पुलक सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास भव्यता के साथ संपादित हो रहा है। शनिवार को टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में 27 दिवसीय ज्ञान गंगा महोत्सव के सातवें दिन नगर निगम प्रांगण में विशेष प्रवचन हुए। शनिवार को नगर निगम प्रांगण में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने आचार्य पुलक सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, प्रसिद्ध उद्योगपति शशिकांत खेतान, अतिरिक्त महाधिवक्ता जोधपुर प्रवीण खंडेलवाल, संभागीय अध्यक्ष वैश्य समाज अनिल नाहर, पूर्व प्रांतपाल लायंस क्लब संजय भंडारी, हुमड़ समाज अध्यक्ष रमेश शाह, पूर्व जीतो महामंत्री धर्मेश रेखा नवलखा एवं श्री लक्ष्मण भावना शाह थे । मंगलाचरण णमोकार ग्रुप उदयपुर ने किया । इस अवसर पर विशेष गुरु-वंदना, बच्चों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी कला के माध्यम से गुरु भक्ति को प्रस्तुत किया। मंच पर प्रस्तुत किए गए मंगलाचरण नृत्य एवं भजन में गुरु के जीवन, त्याग, तपस्या और मार्गदर्शन के प्रसंगों को इतनी भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया कि पूरा वातावरण भक्ति रस में डूब गया।

सुरक्षित व संरक्षित वातावरण से होगा बालकों का श्रेष्ठ निर्माण

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। सूरजगाँव ग्राम पंचायत घोटाद पीईईओ भारती यादव ने राउप्रावि पंचवटी का औचक निरीक्षण कर विद्यालय को सम्बलन प्रदान किया। पीईईओ ने प्रार्थना सभा में छात्रों तथा अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि बालकों के मन में बसे भगवान को हमें तराशने का सुअवसर मिला है अतः हमें पूर्ण संरक्षण व समर्पित भाव से हमारे कर्तव्य को निभाना होगा। यादव ने विद्यालय के पोषाहार, हाउसहोल्ड सर्वे, पौधारोपण, शिक्षण कार्य, विद्यालय भवन आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसएमसी अध्यक्ष मोहनलाल डेण्डोर के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ द्वारा आपसी सहयोग से विद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक घंटी भेंट करने विद्यालय का आभार जताया। इस अवसर पर सहायक अभियंता चेतन लाल पाटीदार ने विद्यालय भवन का भौतिक निरीक्षण कर मरम्मत की आवश्यकता बताते हुये बजट की माँग करने कों कहा। इस अवसर पर विनीता भटेवरा,नित्या भट्ट,मंजू कटारा,भानु वैष्णव, रविना जोशी, कामिनी पुंजोत,नरेश पाटीदार सेलोता,सुरेंद्र सिंह राव,महिपाल सिंह चौहान, थावरचंद डोडियार आदि उपस्थित थे।

भृतहरि गुफा उज्जैन के पीर योगी रामनाथ महाराज ने की शिरकत

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। झल्लारा के निकट्वर्ती धोलागढ़ में आयोजित हो रहे 45 दिवसीय दिव्य भव्य श्रावण कुंभ महोत्सव के चोदहवे दिन शुक्रवार की शाम को भृतहरि गुफा उज्जैन के पीर योगी रामनाथ महाराज ने शिरकत की जिनका योगी प्रकाशनाथ महाराज ने गाजे बाजे के साथ भक्तों ने पुष्पमाला पहनाकर पीर जी का स्वागत किया । महाराज ने अतिरुद्र यज्ञ में आहुति भी प्रदान की । दस महाविद्या में से एक माँ बगलामुखी के परम उपासक श्री 1008 पीरजी योगी रामनाथ जी महाराज नाथ संप्रदाय से संबद्ध रखते है । नाथ संप्रदाय के 12 पंथों में से एक, बारहपंथ योगी के पीठाधीश्वर है आप वर्तमान में भृतहरि गुफा उज्जैन के मठाधीश है आप 21 वर्षों से यहां पर आश्रम का संचालन कर रहे हैं आपका जन्म आंध्र प्रदेश में हुआ है 19 साल की उम्र में आपने संन्यास दीक्षा ली आपके सन्यास गुरु पीर बृहस्पतिनाथ है जो की ज्वाला मां मंदिर हिमालय आश्रम के पीठाधीश्वर है आपने सीकर राजस्थान में अपने दादा गुरु पारसनाथजी के साथ तीन वर्ष रह कर भैरव साधना कर सिध्दि प्राप्त की। पीर नाथ जी महाराज ने बताया कि जो प्रारब्ध में लिखा है वह जरूर मिलेगा पूर्व जन्म के अच्छे कर्म से ही साधु जीवन मिलता है । संत सेवा, ब्राह्मण सेवा, गौ सेवा करना पुण्य कर्म है। मां बगलामुखी शमशान में रहकर आनंद प्राप्त करती है उज्जैन में बगलामुखी मंदिर दस महाविद्या का स्थान है यहां सेवा पूजा से सर्व मनोरथ पूर्ण होते हैं विजय हेतु मां बगलामुखी से पूर्व प्रतंगिरा माता का अनुष्ठान किया जाता है राम जी से युद्ध से पूर्व मेघराज ने भी प्रत्यंगिरा देवी का अनुष्ठान किया था इस देवी की साधना दक्षिण भारत के लोग करते हैं इस देवी का हवन लाल मिर्च से किया जाता है लाल मिर्च मां का नेवेध हे। इस अवसर पर के पी सिंह चिखली, हितेश जोशी, ध्रुवराज सिंह चौहान, मुकेश पाटीदार, भूपेन असावरा , मुकेश मेघवाल, प्रेम पाटीदार, दुर्गेश रावल, भूराभाई पाटीदार, महावीर सुथार, लालसिंह चुंडावत, मावजी पटेल,गोपाल सिंह बोरी, आदि उपस्थित रहे ।

स्कूल भवन हादसे के बाद मुख्यमंत्री का बड़ा फैसला: जर्जर सरकारी भवनों की मरम्मत के लिए 20% राशि की अनुमति, विधायक भी दे सकेंगे फंड से योगदान

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 26 जुलाई 2025। झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव में हाल ही में सरकारी विद्यालय की इमारत गिरने से हुई दुखद घटना के बाद मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए राज्य के सभी जर्जर और मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति सुधारने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत अब भवन मरम्मत हेतु उपलब्ध राशि की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने की घोषणा की है। यह राशि अब प्राथमिकता के आधार पर जीर्ण-क्षीर्ण सरकारी भवनों की मरम्मत में उपयोग की जा सकेगी। इसके साथ ही अब राज्य के विधायकगण भी अपने MLA-लेड वार्षिक विकास कोष से स्कूलों और आंगनबाड़ी जैसे सार्वजनिक भवनों की मरम्मत हेतु 20 प्रतिशत तक की राशि की अनुशंसा कर सकेंगे। पहले केवल उन्हीं भवनों की मरम्मत की अनुमति थी जो विधायक निधि से ही बने थे, लेकिन अब यह दायरा सभी प्रकार के राजकीय भवनों के लिए बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी विधायकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के जर्जर और पुराने स्कूल भवनों को चिन्हित कर शीघ्र मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्यों के लिए निधि का समुचित उपयोग करें, ताकि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी अप्रिय और जानलेवा घटना से बचा जा सके।

तत्काल निरीक्षण और रिपोर्ट के निर्देश

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने निवास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में सभी जिला कलेक्टर्स और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में स्थित स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सभी सरकारी भवनों का तत्काल निरीक्षण करें और मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ करें। इसके अतिरिक्त, भवनों की संरचनात्मक स्थिति की तकनीकी जांच के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की गई है, जिसे पांच दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

बजट में 375 करोड़ का प्रावधान

राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में बिना भवन वाले और जर्जर स्कूलों के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रुपये का प्रावधान पहले ही कर दिया है। साथ ही, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 3 करोड़ रुपये तक की राशि मरम्मत कार्यों के लिए अलग से दी जा रही है, जिससे सभी आवश्यक संरचनात्मक सुधार किए जा सकें।

झालावाड़ में सातों-बच्चों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार, राज्यभर में जर्जर स्कूलों को लेकर मचा हाहाकार, नागौर स्कूल में छत गिरी, मावली, कोटा सहित राज्यभर में लोगों ने लगाए जर्जर स्कूलों के ताले, प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, झालावाड़। 25 जुलाई को झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी गांव स्थित एक सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिर गया, जिसमें 21 छात्र घायल हुए और 7 मासूमों की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार सुबह छह बच्चों के शव पिपलोदी व एक का शव चांदपुर भीलन पहुंचाया गया। भाई-बहन कान्हा और मीना का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर हुआ, जिसने पूरे गांव को भावविह्वल कर दिया। सरकार की घोषणा: परिजनों को 10 लाख की सहायता और नौकरी, कक्षाएं बच्चों के नाम पर राज्य सरकार ने मृतक बच्चों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और एक परिजन को संविदा पर नौकरी देने की घोषणा की है। साथ ही नए बनने वाले कक्षा कक्षों का नाम इन दिवंगत छात्रों के नाम पर रखने का निर्णय भी किया गया है। शिक्षा मंत्री का बयान: जिम्मेदार मैं हूं, कार्रवाई शुरू शिक्षा व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने झालावाड़ के एसआरजी हॉस्पिटल में घायलों से मुलाकात की और हादसे की जिम्मेदारी स्वीकारते हुए कहा, "जिम्मेदार मैं ही हूं।" शिक्षा विभाग ने स्कूल की प्रधानाध्यापिका सहित 5 शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शनिवार को पिपलोदी पहुंचीं और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। एक पीड़ित महिला राजे की गोद में सिर रखकर रोने लगी। राजे ने ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वे सांसद बेटे दुष्यंत सिंह के साथ गांव पहुंचीं।

धरना, पथराव और पुलिसकर्मी घायल

हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मनोहरथाना के बुराड़ी चौराहे पर धरना दिया। शुक्रवार शाम को पुलिस पर पथराव किया गया जिसमें जावर थाने के ड्राइवर नरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पीठ में लाठी से चोट आई और वे एसआरजी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। दो अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए और तीन-चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। पूर्व खनन व गोपालन मंत्री प्रमोद भैया जैन ने कहा कि बच्चों का अंतिम संस्कार जल्दबाजी में कराना अमानवीय था। परिजनों को रिश्तेदारों के आने तक इंतजार नहीं करने दिया गया। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ और घायलों को 10-10 लाख रुपये की सहायता दी जाए, जैसा कि अन्य हादसों (जैसे विमान दुर्घटना) में दिया जाता है।

नागौर: फिर गिरी स्कूल की छत, सौभाग्य से कोई हताहत नहीं

26 जुलाई को नागौर जिले के डेगाना विधानसभा क्षेत्र स्थित खारियावास (राजकीय प्राथमिक विद्यालय खारिया की ढाणी) में स्कूल की छत गिर गई। गनीमत रही कि उस समय स्कूल में बच्चे मौजूद नहीं थे, वरना एक और बड़ा हादसा हो सकता था। माउंट आबू: छत का प्लास्टर गिरा, बच्चे बाल-बाल बचे सिरोही जिले के माउंट आबू क्षेत्र स्थित पांडूरी गांव के बंजाराफली प्राथमिक स्कूल में शनिवार सुबह बरामदे की छत का प्लास्टर गिर गया। सौभाग्य से वहां कोई छात्र मौजूद नहीं था। स्कूल की दो कक्षाएं पहले से ही जर्जर थीं और अब बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र व बरामदे में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है।

उदयपुर में बच्चों ने स्कूल पर जड़ा ताला, 85 छात्र धरने पर

उदयपुर जिले के भीमल गांव के चारणान सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की हालत गंभीर रूप से जर्जर है। शनिवार को 85 छात्रों ने स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया और स्कूल के बाहर बैठ गए। अभिभावकों का कहना है कि तीन सालों से लगातार जनप्रतिनिधियों को शिकायत दी जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

कोटा: जर्जर स्कूल में ताला, कक्षाएं मैदान में लग रहीं

कोटा जिले के सुल्तानपुर ब्लॉक स्थित मेहंदी गांव में भी ग्रामीणों ने स्कूल भवन की दुर्दशा को लेकर ताला जड़ दिया। स्कूल में केवल दो कमरे हैं, जिनमें एक में मिड-डे मील बनता है और दूसरे में पढ़ाई होती है। बाकी कक्षाएं खुले मैदान में लगाई जा रही हैं। विद्यालय में 71 छात्रों का नामांकन है, जिसमें अधिकांश छात्राएं हैं। शौचालय तक की सुविधा नहीं है।

सवाई माधोपुर: स्कूल की हालत देख कर गुस्साए ग्रामीण, सड़क जाम

रामनगर गांव (खंडार तहसील) के राजकीय विद्यालय की छत टपक रही है और दीवारों में सीलन है। शनिवार को ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला लगाकर सड़क पर बच्चों के साथ धरना दिया और सवाई माधोपुर–क्वालजी मार्ग को चार घंटे तक जाम रखा। स्कूल भवन की मरम्मत की मांग को लेकर प्रशासन को बार-बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

राजस्थान की सरकारी दुकानों में भी हो रहा दवा घोटाला:RGHS के तहत फर्जी बिल बनाकर दवाइयां बेचने का आरोप; ड्रग कंट्रोलर को जांच सौंपी

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान गवर्मेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत दवाइयों की फर्जी खरीद-बेचान कर करोड़ों रुपए का क्लेम उठाने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा। अभी तक राज्य के प्राइवेट मेडिकल स्टोर पर इस तरह की घपले पकड़े गए, लेकिन अब सरकारी दुकानों (कॉनफैड की दुकानों) पर भी इस तरह के घपले की शिकायतें मिलने लगी हैं।

सहकारी उपभोक्त संघ लि. की संचालित 5 दुकानों की शिकायत आने के बाद आरजीएचएस एजेंसी ने इस मामले की जांच राजस्थान के ड्रग कंट्रोलर को सौंपी है।

आरजीएचएस प्रोजेक्ट डायरेक्टर (पीडी) की ओर से हाल ही में एक पत्र राजस्थान ड्रग कंट्रोलर को लिखा है। इसमें जयपुर की 5 कॉनफैड की दुकानों के बिलों की कॉपी भेजकर उसकी जांच करवाने के लिए कहा है। इसके साथ ही एसएमएस हॉस्पिटल के पार्किंग बेसमेंट में संचालित एक प्राइवेट मेडिकल स्टोर श्री श्याम मेडिकल शॉप की जांच कर उसकी रिपोर्ट मांगी है।

इन सरकारी दुकानों की जांच शुरू

जिन 5 कॉनफैड दुकानों की जांच करवाई जा रही है। उसमें एसएमएस हॉस्पिटल में संचालित दुकान नं. 7, कांवटिया ब्रांच शास्त्री नगर, कावंटिया परिसर में संचालित एक अन्य कॉनफैड की दुकान, जोरावर सिंह गेट माधव विला के पास स्थित दुकान और किशनपोल बाजार स्थित कॉन्फेड की बम्बई वाला आयुर्वेद की दुकान शामिल है।

बीपी, शुगर मरीज की हर माह 12 से 20 हजार रुपए की दवाइयां

प्रारंभिक जांच और बिलों को देखकर आरजीएचएस एजेंसी ने 4 लाभार्थियों के केस को पकड़ा है। इसमें सभी मरीजों के बीपी और शुगर से ग्रसित होना बताया है। इनके द्वारा हर माह की 12 से लेकर 20 हजार रुपए तक की दवाइयां आरजीएचएस के माध्यम से सरकारी स्टोर से खरीद की जा रही है।

इसमें एक लाभार्थी सुंदरी देवी के तो बिल और ओपीडी पर्ची को देखकर एजेंसी को शंका है कि उसके बीपी, शुगर की बीमारी है या नहीं? क्योंकि डॉक्टर की लिखी पर्ची पर किसी भी बीमारी या जांच का उल्लेख तक नहीं है। वहीं, एक अन्य लाभार्थी मीरा देवी की पहले की पर्चियों में तो किसी भी बीमारी का उल्लेख नहीं है, लेकिन बाद की पर्चियों में हाई-ब्लडप्रेशर का उल्लेख है।

7 दिन में जांच करने करके रिपोर्ट देने के आदेश

आरजीएचएस पीडी ने ड्रग कंट्रोलर से इन सभी दुकानों की जांच 7 दिन में करके देने के निर्देश दिए हैं। आपको बता दें कि इसी महीने ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने आरजीएचएस के तहत गड़बड़ी करने के मामले में प्रदेशभर की 60 से ज्यादा मेडिकल दुकानों पर कार्रवाई की थी। इसमें 30 दुकानों के लाइसेंस को आजीवन के लिए रद्द कर दिए थे।

जयपुर में 1000 से ज्यादा बसें नहीं चलीं:दिल्ली, अहमदाबाद समेत सभी रूट पर दिखा असर, टिकटें कैंसिल हुईं

24 न्यूज अपडेट

जयपुर में हीरापुरा बस स्टैंड पर बसों की शिफ्टिंग और आरटीओ-ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई के विरोध में प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने शनिवार 26 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने बताया- सुबह 6 बजे से राज्य और राज्य के बाहर जाने वाली करीब 1000 बसों का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इसका असर दिल्ली, अहमदाबाद, इंदौर, भोपाल, सूरत जैसे बड़े रूट पर देखने को मिल रहा है।

इस हड़ताल के चलते रोजाना ट्रैवल करने वाले करीब 50 हजार से अधिक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई पैसेंजर्स को मजबूरी में रोडवेज, टैक्सी और अन्य साधनों से सफर करना पड़ रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली लाइब्रेरियन परीक्षा के 80 हजार अभ्यर्थियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। वहीं, रोडवेज की मात्र 3050 बसें पूरे प्रदेश में चल रही हैं।

ऐप्स और ऑफलाइन बुकिंग भी बंद, कोई बस नहीं चलेगी

एसोसिएशन ने सभी ऑपरेटर्स को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अपनी सर्विस तुरंत होल्ड करने के निर्देश दिए हैं। ऑफलाइन बुकिंग पर भी रोक लगा दी गई है। संगठन ने साफ कर दिया है कि अगर कोई ऑपरेटर बस चलाता है तो उसकी जिम्मेदारी उसी की होगी।

शिफ्टिंग से पहले नहीं की तैयारी, चालानों से बढ़ा विवाद

यूनियन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि अचानक हीरापुरा बस स्टैंड पर बसों को शिफ्ट किया जा रहा है, जबकि वहां पार्किंग, वेटिंग एरिया और पैसेंजर्स के लिए जरूरी सुविधाएं ही नहीं हैं। इसके बावजूद जबरन बसों को हटाया जा रहा है। शुक्रवार को झालाना आरटीओ कार्यालय में हुई बैठक में भी यह आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन सुनवाई के बजाय एक दिन में 70 से ज्यादा बसों के चालान कर दिए गए।

उन्होंने बताया- सरकार जब तक इन मुद्दों पर चर्चा नहीं करती और हीरापुरा में जरूरी व्यवस्थाएं नहीं बनतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। सभी ट्रांसपोर्ट यूनियन इसका समर्थन कर रही हैं।

फर्जी रजिस्ट्री कर कृषि भूमि हड़पने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, जालसाजी से पीड़ित की जमीन करवा दी थी किसी और के नाम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बडगांव थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के गंभीर प्रकरण में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कृषि भूमि की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले गिरोह के खुलासे में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों ने पीड़ित से विश्वास में लेकर उसकी बैंक डायरी, आधार कार्ड और जमीन के पट्टे की फोटो कॉपी ली और उन्हीं दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उसकी जमीन किसी और के नाम रजिस्ट्री करवा दी।

प्रार्थी मांगीलाल पुत्र तख्ताजी, निवासी राठौड़ों का गुड़ा, तहसील बडगांव, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि ग्राम पंचायत थूर में उसके पिता के नाम पर एक भूखंड था, जिसे वह अपने नाम करवाना चाहता था। इसके लिए उसने अपने जानकार विक्रम सिंह पुत्र मदन सिंह निवासी पीपली चौक, बेदला से मदद मांगी थी। विक्रम सिंह ने मांगीलाल से उसके बैंक की डायरी, आधार कार्ड और पट्टे की फोटो कॉपी ली और इसके बाद विक्रम सिंह, देवीलाल, पप्पुलाल और जितेन्द्र ने मिलकर धोखाधड़ी से मांगीलाल की जमीन की रजिस्ट्री देवीलाल के नाम करवा दी। पीड़ित को जब इस फर्जीवाड़े का पता चला तो उसने रजिस्ट्री की कॉपी निकलवाई, जिसमें देवीलाल को क्रेता दिखाया गया और गवाह के तौर पर पप्पुलाल और जितेन्द्र के हस्ताक्षर थे।

थानाधिकारी पूरण सिंह के नेतृत्व में बडगांव पुलिस टीम ने तकनीकी सहयोग और आसूचना के आधार पर दो आरोपियों को डिटेन कर पूछताछ की।

गिरफ्तार आरोपी एवं स्वीकारोक्ति पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने फर्जीवाड़े में संलिप्तता और घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर प्रकरण में आगे की जांच शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपी: जितेन्द्र पुत्र चेनराम, निवासी डांगियों का गुड़ा, थाना सुखेर, जिला उदयपुर पप्पुलाल पुत्र नोजीराम, निवासी छिपाला चेडाखेत, थाना गोगुन्दा, जिला उदयपुर अन्य आरोपियों की तलाश जारी पुलिस अब मुख्य आरोपी विक्रम सिंह और देवीलाल की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह एक संगठित गिरोह का हिस्सा हो सकते हैं, जो जमीन के पट्टों और दस्तावेजों की फर्जीवाड़े में सक्रिय हैं।

अजमेर में 29 को दो भर्ती एग्जाम, एडमिट कार्ड अपलोड:सुबह असिस्टेंट फिशरीज डेवलेपमेंट ऑफिसर व दोपहर बाद इंस्ट्रक्टर एग्जाम होगा

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से अजमेर जिला मुख्यालय पर असिस्टेंट फिशरीज डेवलेपमेंट ऑफिसर एग्जाम एवं इंस्ट्रक्टर/सर्वेयर/असिस्टेंट अप्रेंटिशिप एडवाइजर ग्रेड द्वितीय एग्जाम 29 जुलाई 2025 को होंगे। इन दोनों परीक्षाओं के एडमिट कार्ड अपलोड कर दिए है। 29 जुलाई 2025 को प्रातः 10 से 12.30 बजे तक असिस्टेंट फिशरीज डेवलेपमेंट ऑफिसर परीक्षा-2024 तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक ग्रुप इंस्ट्रक्टर/सर्वेयर/असिस्टेंट अप्रेंटिशिप एडवाइजर ग्रेड द्वितीय परीक्षा-2024 का होगा।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है। इन परीक्षाओं में प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

एक घंटे पहले मिलेगी एन्ट्री

परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी परीक्षा के दिन प्रत्येक परीक्षा सत्र में परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए नियत समय से पर्याप्त समय पूर्व परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक रूप से उपस्थित हो जाएं ताकि सुरक्षा जांच एवं पहचान का कार्य समय पर पूर्ण हो सके। देरी से आने पर तलाशी में समय लगने के कारण परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो सकते हैं।

गर्भवती पत्नी और साली के सामने डूबा डेंटिस्ट, 15 घंटे बाद मिला शव

24 न्यूज अपडेट

संस्थागत प्रसव (हॉस्पिटलों में डिलीवरी करवाने) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू हुई जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) की लाभार्थी प्रसुताओं को राशि के लिए हॉस्पिटलों में भटकना पड़ रहा है। हाल ही में प्रिंसिपल सेक्रेटरी हेल्थ के सामने ये मामला आया। उन्होंने इस योजना के नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इसकी पेंडेंसी कम करने और मामलों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सरकार जेएसवाई योजना के तहत शहरी क्षेत्र में प्रसव पर प्रसूता को एक हजार रुपए और ग्रामीण इलाके में 1400 रुपए देती है। ये पैसा जिस दिन प्रसूता हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होती है, उसी दिन या उसके एक या दो दिन में प्रसूता के बैंक खाते में जमा होते हैं। स्थिति ये है कि 2 से 3 माह का समय हो गया, लेकिन कई प्रसूताओं को ये राशि नहीं मिली।

जयपुर के महिला चिकित्सालय में सबसे ज्यादा परेशानी

जयपुर के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में इस मामले में सबसे ज्यादा लापरवाही देखने को मिल रही है। यहां प्रसूता की हॉस्पिटल से छुट्टी होने के बाद भी डेटा को सरकार के पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा रहा। इसके कारण यहां डिलीवरी करवाने वाली महिलाओं को इस योजना के तहत प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही।

पेसिफिक डेंटल छात्रा आत्महत्या प्रकरण
भारी मन से श्वेता का शव लेकर विदा हुए परिजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेसिफिक डेंटल कॉलेज की अंतिम वर्ष की छात्रा श्वेता सिंह आत्महत्या मामले ने उदयपुर में शिक्षा व्यवस्था और निजी कॉलेजों की कार्यशैली व खुली लूट पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 25 वर्षीय श्वेता, जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थीं। गुरुवार देर रात हॉस्टल में फंदा लगाकर जान देने के बाद मिले सुसाइड नोट से कोहराम मचा हुआ है। छात्रा के कमरे से बरामद सुसाइड नोट में कॉलेज प्रशासन से जुड़े दो कर्मचारियों को प्रताड़ना का जिम्मेदार ठहराया।

शव लेने पहुंचे परिजन, मोर्चरी के बाहर हंगामा

आज सुबह एमबी अस्पताल की मोर्चरी में जब श्वेता के पिता बलवंत सिंह, जो अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे, श्रीनगर से लौटकर पहुंचे, तो वहां कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। "कॉलेज प्रशासन हत्यारा है", "दोषियों को गिरफ्तार करो" जैसे नारों से मोर्चरी परिसर गूंज उठा। छात्रों ने साफ कह दिया कि जब तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होती, शव नहीं उठाया जाएगा। विवाद के दौरान पुलिस, परिजनों और छात्रों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। कई छात्र-छात्राएँ फूट-फूटकर रो पड़े। अंततः शाम को समझाइश के बाद पोस्टमार्टम किया गया और शव परिजनों को सौंपा गया।

शिक्षकों पर आरोप, पैसे के लिए मानसिक उत्पीड़न का आरोप

श्वेता के परिजनों और सहपाठियों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन खासकर एडमिन स्टाफ ने श्वेता को बार-बार पैसों के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। "एग्जाम के समय 50 हजार से लेकर 1 लाख रुपये तक की डिमांड की गई। जब पैसे नहीं दिए तो परीक्षा से रोक दिया गया। इसी बेच के कई स्टूडेंट्स ने कहा कि किश्तों में भुगतान की बात की, लेकिन उन्हें धमकाया गया।" छात्रों ने यह भी खुलासा किया कि ऐसे करीब 20 स्टूडेंट्स हैं जिनसे पैसे लेकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई, और किसी भी ट्रांजेक्शन की रसीद नहीं दी जाती थी, सारा लेन-देन कैश में होता था। कलेक्ट्रेट पर भी उग्र प्रदर्शन, एबीवीपी और अन्य छात्र संगठनों का समर्थन श्वेता की आत्महत्या के विरोध में आज दिनभर छात्र कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते रहे। छात्रों को एबीवीपी, मीरा गर्ल्स कॉलेज और अन्य छात्र संगठनों का भी समर्थन मिला। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा, जिसमें दोषियों की गिरफ्तारी, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन में सुधार और छात्र हित में नीतिगत बदलाव की मांग की गई।

एफआईआर दर्ज, दो नामजद आरोपी शिक्षक जांच के घेरे में

श्वेता सिंह के पिता बलवंत सिंह ने सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में कॉलेज एडमिन स्टाफ भगवत उर्फ भगवान सिंह और माही उर्फ नैनी जैन पर मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर के शिक्षा जगत के इतिहास में काला अध्याय

श्वेता के पिता बालटाल (श्रीनगर) में अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर थे, जहां से घटना की सूचना मिलने पर वह तुरंत लौटे। चचेरा भाई शशिकांत पहले ही उदयपुर पहुंच चुका था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, खासकर श्वेता की मां की हालत बेहद खराब बताई जा रही है। वे भारी मन से शव लेकर रवाना हुए। उदयपुर के शिक्षा जगत के इस काले अध्याय को हमेशा याद रखा जाएगा। कॉलेज प्रशासन की ओर से अब तक किसी आर्थिक सहयोग या मुआवजे की सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, मामला शांत होने के बाद कुछ प्रस्ताव आने की संभावना है। छात्रों ने स्पष्ट कहा है कि यह मामला केवल श्वेता का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम में गहराई से फैले शोषण, पैसे की मांग और भय का प्रतीक है। श्वेता सिंह की आत्महत्या ने एक बार फिर निजी शैक्षणिक संस्थानों की कार्यशैली, पैसे की मांग, मानसिक प्रताड़ना और छात्रों की सुनवाई के अभाव को उजागर किया है। यह केवल एक छात्रा की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर सवाल है दृ क्या हमारे देश में शिक्षा अब व्यापार बन चुकी है? और क्या एक होनहार बेटी की मौत के बाद भी कोई जवाबदेही तय की जाएगी?

प्रमुख मांगें जो अब तक नहीं हुई पूरी

- दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी व जांच की मांग
- प्रबंधन में बदलाव, केवल मेडिकल बैकग्राउंड वाले अधिकारी नियुक्त किए जाएं
- पुराने बैच के छात्रों को विशेष एग्जाम में शामिल किया जाए
- मुआवजा और कॉलेज की जवाबदेही तय हो

चित्तौड़गढ़ एसडीएम ने किया जर्जर राजकीय भवनों का निरीक्षण, अत्यंत जर्जर भवनों को बंद करने के दिए निर्देश

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। झालावाड़ जिले में हाल ही में एक जर्जर विद्यालय भवन गिरने से हुई दुर्घटना के मद्देनजर, जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशन में उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल द्वारा चित्तौड़गढ़ उपखण्ड क्षेत्र के विभिन्न राजकीय भवनों का भौतिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान चित्तौड़ी, भाटियों का खेड़ा, गिलुण्ड, खरड़ी बावड़ी सहित अन्य ग्रामों के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं भवनों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण में कई भवनों की स्थिति अत्यंत जर्जर एवं असुरक्षित पाई गई, जिसके चलते निर्देश जारी किए गए।

खरड़ी बावड़ी आंगनबाड़ी केन्द्र की छत और फर्श खराब स्थिति में पाए जाने पर भवन को तत्काल बंद कर बच्चों की उपस्थिति पर रोक लगाई गई। साथ ही भवन के ऊपर रखी निजी जल टंकी को हटाने तथा झाड़ियों की सफाई के निर्देश ग्राम विकास अधिकारी को दिए गए। विद्यालय भवनों में क्षतिग्रस्त कमरों को बांस व रस्सी की सहायता से बंद करने तथा वैकल्पिक कक्षा संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संस्था प्रधानों को दिए गए।

भाटियों का खेड़ा में स्थित आंगनबाड़ी की स्थिति अत्यंत जर्जर होने पर उसे तत्काल बंद करने एवं परिसर से मलबा हटाने हेतु जेसीबी से सफाई के निर्देश दिए गए। गिलुण्ड के बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में मिड डे मील भवन में दरारें, विद्यालय मार्ग की खराब स्थिति, पुराने-नए भवनों के जॉइंट से जल रिसाव एवं डीएमएफटी फंड से स्वीकृत अधूरे कमरों की शीघ्र पूर्णता हेतु निर्देशित किया गया। विद्यालय की दीवार तोड़कर सामग्री लाने से पशुओं की आवाजाही रोकने हेतु पुनर्निर्माण के निर्देश भी जारी किए गए। इसके अतिरिक्त समस्त ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों में स्थित राजकीय भवनों का ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही, सभी सहायक अभियंताओं को निर्देशित किया गया है कि वे जर्जर भवनों का तखमीना तैयार कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

वंडर सीमेंट लि. द्वारा हरियाली के संकल्प के साथ बांसा विद्यालय में वृक्षारोपण'

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। वंडर सीमेंट लि., निम्बाहेड़ा के नीव इनीशिएटिव एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान ''एक पेड़ माँ के नाम'' एवं राजस्थान सरकार के द्वारा संचालित मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान, हरयालो राजस्थान संकल्पना के दृष्टिगत षनिवार को कम्पनी के 'यूनिट हेड नितिन जैन द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसा, ग्राम पंचायत फाचर अहिरान में वृक्षारोपण एवं वंडर वृक्ष रथ द्वारा विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को छांया देने वाले औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया।' कार्यक्रम के दौरान मंच पर पीईईओ फाचर अहिरान गोवर्धनलाल पाटीदार, विद्यालय प्रधानाचार्या कौशल्या शर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर 'युनिट हेड जैन ने बताया कि कम्पनी द्वारा परियोजना क्षेत्र के समस्त गांवों तथा प्लांट परिसर में लगभग 25 हजार से अधिक पौधे लगाने एवं वितरण करने का लक्ष्य रखा गया हैं। वंडर सीमेंट लि. द्वारा परियोजना के आरम्भ से ही प्लाण्ट, माइन्स एवं कॉलोनी क्षेत्र तथा आस-पास के गाँवों में प्रति वर्ष वृक्षारोपण एवं संरक्षण किया जाता है, इसी श्रृंखला में ''वंडर वृक्ष रथ'' द्वारा ग्रामों के राजकीय विद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों एवं परिसरों, स्वास्थ्य भवनों तथा कंपनी द्वारा विकसित वंडर सीमेंट पंचफल उद्यानों सहित गांवों के मुख्य मार्गों में पौधारोपण के साथ-साथ खेतों में फलदार पौधों की बाड़ी विकसीत करने हेतु आवेदित किसान भाईयों को पर्याप्त मात्रा में फलदार पौधे का वितरण तथा उनके संरक्षण हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।' जिससे पुरे क्षेत्र ग्रीन बेल्ट डवलपमेंट एवं जल स्तर में बढ़ोतरी होगी। जैन ने कहा कि हमारा कार्य केवल पेड़ पौधे लगाना ही नहीं अपितु इनकी देखरेख की जिम्मेदारी भी पौधा लगाने वाले की होती हैं।

उल्लेखनीय है कि 'वंडर वृक्षर रथ'' द्वारा पौधों के वितरण के साथ ही कम्पनी द्वारा परियोजना क्षेत्र के गावों के मुख्य मार्गों के दोनों ओर ट्री गार्ड के साथ वृक्षारोपण कर निरन्तर रख-रखाव भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सुरेश कुमावत द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापित रामकेश मीणा ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ सहित ग्राम बांसा से कैलाश डांगी, बोथलाल अहीर,घनश्याम अहीर, श्याम सुंदर अहीर, मनोज अहीर, जितेन्द्र सिंह, सुल्तान सिंह, बद्रीलाल डांगी, मदनलाल अहिर, गणेश डांगी सहित ग्रामवासी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज्य कर विभाग की बड़ी कार्यवाहीः 3 महीनों में 66 करोड़ की वसूली, कोटा में 1500 करोड़ की कर चोरी का भंडाफोड़

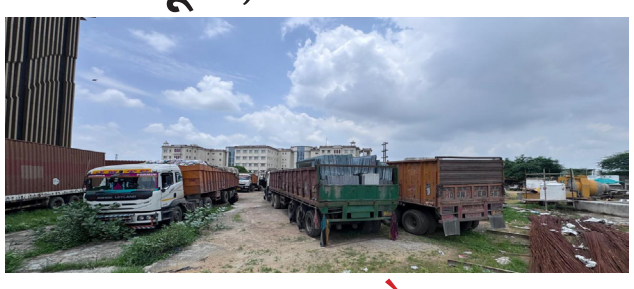

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 26 जुलाई 2025। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की "जीरो टॉलरेंस" नीति के तहत राजस्थान में कर चोरी करने वालों पर शिकंजा कसता जा रहा है। राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने बीते तीन महीनों में व्यापक जांच और कार्रवाई करते हुए 66 करोड़ रुपये की कर वसूली की है। इन कार्रवाइयों से टैक्स चोरी में लिप्त व्यापारिक प्रतिष्ठानों, ट्रांसपोर्टरों और औद्योगिक इकाइयों में हड़कंप मचा हुआ है।

तकनीक आधारित प्रवर्तन अभियान

प्रवर्तन कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे मुख्य आयुक्त वाणिज्यिक कर श्री कुमार पाल गौतम ने बताया कि विभाग ने AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और RFID (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) तकनीकों का उपयोग करते हुए राज्यभर में सघन परिवहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान 24 वाहन जब्त किए गए, जिनमें सुपारी, आयरन स्क्रैप, ग्रेनाइट और मार्बल जैसे सामान बिना वैध दस्तावेजों के ले जाए जा रहे थे। इन मामलों में एक करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया जा चुका है, जबकि 4 करोड़ रुपये की राशि अभी वसूली के प्रक्रियाधीन है। जिन वाहन और माल मालिकों ने अब तक अपना दावा नहीं किया, उनके खिलाफ नीलामी की तैयारी की जा रही है। सर्वे और तकनीकी साक्ष्य से बड़ी कर वसूली राज्यभर में व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर की गई सर्वे कार्रवाइयों के माध्यम से विभाग को 50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिला है। सभी कार्रवाइयाँ तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल निगरानी के आधार पर की गईं, जिससे सटीक और सशक्त प्रमाण जुटाए गए। कोटा में सबसे बड़ी कार्रवाईः 1500 करोड़ की कर चोरी उजागर पिछले माह कोटा में राज्य कर विभाग ने एक पान मसाला निर्माण इकाई पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 1,500 करोड़ रुपये की कर चोरी का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री और एक गुप्त गोदाम से बिना दस्तावेज वाले रॉ मटेरियल और भारी मात्रा में बिना बिल का स्टॉक जब्त किया गया। इस प्रकरण में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी जमानत जिला सत्र न्यायालय ने खारिज कर दी है। विभाग ने तत्काल प्रभाव से 15 करोड़ रुपये की नकद राशि जमा करवाई है — जो अब तक राज्य की किसी भी प्रवर्तन कार्रवाई में एक बार में जमा की गई सबसे बड़ी राशि मानी जा रही है। राज्य कर विभाग के पास इस केस में 1,500 करोड़ से अधिक की संभावित कर देयता से संबंधित साक्ष्य मौजूद हैं। विभाग द्वारा शीघ्र ही औपचारिक कर निर्धारण कर वसूली प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि, आगे और सख्ती

मुख्य आयुक्त श्री गौतम ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की नीति के अनुरूप आगे भी कर चोरी के मामलों में कड़ाई से निपटा जाएगा, और प्रवर्तन कार्यवाहियाँ और तेज की जाएंगी। इन अभियानों से राज्य के राजस्व संग्रहण में महत्त्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे विकास कार्यों के लिए वित्तीय आधार और अधिक सुदृढ़ हो सकेगा।

कांग्रेस सम्मेलन में आदिवासी समाज की उपेक्षा के आरोपों पर मेवाड़-वागड़ के नेताओं का जोरदार खंडन, कहा-यह केवल संगठन को बदनाम करने और गलत छवि प्रस्तुत करने का प्रयास

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 जुलाई। हाल ही में उदयपुर के गांधी ग्राउंड में आयोजित संभाग स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन एवं "संविधान बचाओ" रैली को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व तक कुछ नेताओं द्वारा मेवाड़-वागड़ के आदिवासी समाज की उपेक्षा, गुटबाजी और मंच पर स्थान न मिलने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाए गए, जिनका मेवाड़ के वरिष्ठ आदिवासी नेताओं ने वीडियो संदेशों के माध्यम से खंडन करते हुए कहा कि यह केवल संगठन को बदनाम करने और गलत छवि प्रस्तुत करने का प्रयास है। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष, झाड़ोल के पूर्व विधायक और हाल ही में **कांग्रेस प्रत्याशी रहे हीरा लाल दरांगी** ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा मेवाड़-वागड़ के आदिवासी समाज को सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक समिति सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) में मेवाड़-वागड़ से दो बार आदिवासी नेताओं को सदस्य बनाया गया है, जो बहुत ही बड़ा गौरव और राष्ट्रीय स्तर का प्रतिनिधित्व है। साथ ही जब-जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी, तब मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के आदिवासी विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई। वर्तमान में वे स्वयं प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष पद पर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. सीपी जोशी जैसे वरिष्ठ नेता ने सम्मेलन में अपने भाषण में आदिवासी समाज को कांग्रेस का स्तंभ बताते हुए कहा कि भविष्य में पार्टी में उनकी निर्णायक भूमिका सुनिश्चित की जाएगी।

सम्मेलन के समन्वयक और उदयपुर लोकसभा से **पूर्व प्रत्याशी ताराचंद मीणा** ने भी स्पष्ट किया कि उन्हें स्वयं प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इतने बड़े कार्यक्रम का समन्वयक बनाया, जो यह दर्शाता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने आदिवासी नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मंच पर मेवाड़-वागड़ के आदिवासी नेताओं को न केवल सम्मानजनक स्थान दिया गया, बल्कि उनके उद्बोधन के लिए समय भी निर्धारित किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली, पूर्व अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी, और अन्य नेताओं ने अपने भाषणों में आदिवासी समाज की संघर्षशीलता, पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और संगठन में उनके योगदान की सराहना की।

ऋषभदेव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपलाल मीणा ने भी कहा कि उन्हें पहली बार इतने बड़े मंच पर जनता और वरिष्ठ नेताओं के सामने भाषण देने का अवसर मिला, जो उनके और पूरे आदिवासी समाज के लिए गौरव की बात है। ऐसे में उपेक्षा की बात निराधार है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वाले लोग कांग्रेस की जमीनी मजबूती और संगठनात्मक एकता से घबराए हुए हैं, इसलिए समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

सम्मेलन में उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ और राजसमंद जिलों से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही, जिनमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के कार्यकर्ता और नेता शामिल थे। मंच पर आदिवासी क्षेत्रों के ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे, जिन्हें बराबरी का सम्मान और स्थान दिया गया।

नेताओं ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा ही वंचित, आदिवासी, दलित और किसान समाज की पक्षधर रही है और आज भी संगठन के हर स्तर पर आदिवासी नेतृत्व को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने अपील की कि संगठन को कमजोर करने वाले झूठे आरोपों पर ध्यान न देकर सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारी करें और भाजपा के खिलाफ वैचारिक लड़ाई को मजबूती से लड़ें।

कारगिल विजय दिवस पर राजस्थान विद्यापीठ में श्रद्धांजलि सभा, शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय) के प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय परिवार ने वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख एवं कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह कर्नावट, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन सहित अनेक प्राध्यापकों व कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें कृतज्ञता के साथ नमन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने कहा, "कारगिल विजय दिवस हमारे देश की सैन्य शौर्यगाथा का प्रतीक है। यह दिन उन वीर सैनिकों की स्मृति में समर्पित है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीय सेना की अदम्य साहस और वीरता के कारण ही हम आज सुरक्षित हैं और स्वतंत्रता का आनंद ले पा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में दुर्गम पहाड़ियों पर पाकिस्तानी घुसपैठियों को परास्त कर देश को गौरवशाली विजय दिलाई। यह दिन हर भारतीय के हृदय में गर्व और प्रेरणा का भाव जगाता है। कार्यक्रम में डॉ. एस.बी. नागर, डॉ. देवेंद्र राव, डॉ. निवेदिता, डॉ. मोहसीन छीपा, डॉ. यज्ञ आमेटा, डॉ. चन्द्रेश छतलानी, डॉ. रोहित कुमावत, निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत, जितेंद्र सिंह चौहान सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी, प्राध्यापक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में देशभक्ति के संकल्प को दोहराते हुए शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।